वर्ष 1980 के दौरान निर्माण किए जाने वाले भारतीय खाद्य निगम के गोदाम

*932. **श्री चतर्भुज** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय खाद्य निगम का विचार 1 जनवरी के 1980 बाद कुल कितने गोदामों का निर्माण करने का है :

(ख) उक्त गोदामों के निर्माण पर कितना व्यय किया जायेगा ; और

(ग) गोदामों का निर्माण करने के लिए स्थानों का चयन करने हेतु क्या मानदंड अपनाये जायेंगे ?

कृषि तथा ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह राव): (क) भारतीय खाद्य निगम का जनवरी, 1980 के बाद 55 केन्द्रों पर परम्परागत भण्डारण क्षमता का निर्माण करने का विचार है।

(ख) आशा है कि इस पर अनुमानतः 69.00 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।

(ग) गोदामों का निर्माण करने के लिए स्थानों का चुनाव करने हेतु मोटे तौर पर निम्नलिखित कसौटी अपनाई गई है :—

(1) वसूली और/अथवा वितरण के लिए सम्भावित आवश्यकता;

(2) सहूलियत वाले केन्द्रों पर बफर स्टाक का पता लगाने हेतु आवश्यकता ; और

(3) रेलवे साइडिंग सहित रेल संचलन सुविधाओं की उपलब्धता।

झाबुआ में टेलीफोन कनेक्शन

*933. **श्री दिलीप सिंह भूरिया** : क्या संचार मंत्री निम्नलिखित जानकारी दर्शाने वाला विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1979-80 में झाबुआ जिले में कितने नए टेलीफोन केन्द्र खोले गए ;

(ख) झाबुआ जिले में नए टेलीफोन कनेक्शनों के लिए कितने आवेदन विचाराधीन थे और वर्ष 1979–80 के दौरान कितने टेलीफोन कनेक्शन दिए गए ;

(ग) वर्ष 1979–80 के दौरान झाबुआ जिले में कितने नए सार्वजनिक टेलीफोन कार्यालय खोले गए और क्या इस आशय की शिकायतें मिली है कि अधिकांश सार्वजनिक टेलीफोन कार्यालय ठीक से काम नहीं कर रहे हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इन शिकायतों पर क्या कार्यवाही की गई है और क्या यह सुनिश्चित करने के लिए कोई योजना तैयार की गई है कि सार्वजनिक टेलीफोन कार्यालय ठीक से काम करें :

संचार मंत्री (श्री सी०एम० स्टीफन) : (क) भाबरा कल्याणपुर में दो।

(ख) 31–3–79 तथा 31–3–80 को प्रतीक्षा सूची शून्य है। 1979–80 के दौरान 52 कनेक्शन प्रदान किए गए।

(ग) खोले गए नए सार्वजनिक टेलीफोन घरों की संख्या 6 है।

(घ) कोई विशेष शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। किन्तु खुली तार लाइनों में में अक्सर खराबी हो जाती है। इन खराबियों को दूर करने के लिए तुरन्त कार्रवाई की जाती है।